भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 2963
गुरुवार, 12 दिसंबर, 2024/21 अग्रहायण,1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

गोंदिया विमानपत्तन से हवाई संपर्क

2963. डॉ. प्रशांत यादवराव पडोलेः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा गोंदिया (बिरसी) विमानपत्तन से मुम्बई, पुणे और अन्य प्रमुख शहरों तक हवाई संपर्क का विस्तार करने के लिए की गई/की जा रही पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) गोंदिया (बिरसी) विमानपत्तन पर हाल ही में पूरा किए गए अवसंरचनात्मक विकास का ब्यौरा क्या है;

(ग) गोंदिया विमानपत्तन पर रात्रि में विमान उतारने की सुविधाओं की कमी के क्या कारण हैं और मंत्रालय द्वारा उक्त मुद्दे का समाधान किस प्रकार किए जाने का विचार है;

(घ) 'इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम' (आईएलएस) के अभाव के कारण विमानपत्तन प्रचालन पर क्या प्रभाव पड़ा है; और

(ङ) उक्त विमानपत्तन पर विमानपत्तन सेवाओं और व्यवहार्यता उपकरणों में सुधार के लिए क्या उपाय प्रस्तावित हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): गोंदिया हवाईअड्डा क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़ान योजना में शामिल है। फ्लाईबिग ने गोंदिया को इंदौर और हैदराबाद से जोड़ने वाले मार्गों पर दिनांक 13.03.2022 को उड़ान परिचालन शुरू किया, तथापि, ये परिचालन दिनांक 09.08.2022 को बंद हो गए। गोंदिया-इंदौर-गोंदिया मार्ग को बाद में उड़ान 5.3 के तहत बोली प्रक्रिया के लिए प्रस्तुत किया गया था, परंतु गोंदिया हवाईअड्डे को जोड़ने वाली कोई बोली प्राप्त नहीं हुई।

मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरस्त किए जाने के पश्चात, भारतीय घरेलू विमानन को विनियमन मुक्त कर दिया गया है। एयरलाइनें किसी भी प्रकार के विमान को शामिल करने और बाज़ार तथा मार्गों का चयन करने के लिए स्वतंत्र हैं। किसी भी हवाईअड्डे तक/से हवाई सेवाएँ शुरू करने का निर्णय, एयरलाइनों द्वारा उनके परिचालन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता तथा एयरलाइनों की नीति के आधार पर लिया जाता है। वर्तमान में, इंडिगो गोंदिया और हैदराबाद के बीच वाणिज्यिक उड़ानों का परिचालन कर रही है।

(ख) : गोंदिया हवाईअड्डे पर, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने हाल ही में रनवे के विस्तारित हिस्से का प्रचालन, नए उपकरण अवतरण प्रणाली (आईएलएस) की स्थापना और विशेष दृश्य उड़ान नियम (वीएफआर) तथा उपकरण उड़ान नियम (आईएफआर) प्रचालन की सुविधा के लिए अप्रोच कंट्रोल यूनिट की स्थापना पूरी की है।

(ग) और (घ) : आईएलएस एक सटीक दृष्टिकोण है, जो 3डी मार्गदर्शन (वर्टिकल मार्गदर्शन के साथ लैटरल मार्गदर्शन) प्रदान करता है, जो कम दृश्यता के दौरान परिचालन सुरक्षा को बढ़ाता है। गोंदिया हवाईअड्डे पर आईएलएस की स्थापना पूरी हो चुकी है और एएआई ने इसकी प्रचालन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

(ङ) : हवाईअड्डों पर अवसंरचना का विस्तार और विकास एक सतत प्रक्रिया है तथा ऐसे कार्य भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक सरोकार, यातायात मांग और एयरलाइनों की ऐसे हवाईअड्डों तक/से परिचालन करने की तत्परता, जैसे कारकों पर निर्भर रहते हुए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा समय-समय पर किए जाते हैं। गोंदिया हवाईअड्डे पर हवाईअड्डा सेवाओं को अनुकूलतम बनाने के लिए, एएआई ने महाराष्ट्र राज्य सरकार से खटिया-कामथ सड़क और परसवाड़ा-झिमिल सड़क का मार्ग परिवर्तन करने का अनुरोध किया है, क्योंकि दोनों सड़कें वर्तमान में हवाईअड्डा क्षेत्र से होकर गुजरती हैं।

*****